

भारत का दूतावास
काहिरा

प्रेस विज्ञप्ति

अफ्रीका क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन 8-9 फरवरी 2026 को काहिरा में सफलतापूर्वक आयोजित

भारत के राजदूतावास, काहिरा ने ऐन शम्स विश्वविद्यालय के सहयोग से 8-9 फरवरी 2026 को काहिरा में “गंगा से नील तक सांस्कृतिक संपर्क और सहयोग के लिए हिंदी” विषय पर अफ्रीका क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन का सफल आयोजन किया।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में केन्या, ज़िम्बाब्वे, नामीबिया, तंज़ानिया, मॉरीशस, नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका सहित 7 अफ्रीकी देशों से आए प्रतिष्ठित हिंदी विद्वानों, प्रोफेसरों, शिक्षाविदों, लेखकों, शिक्षकों और हिंदी प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही ऐन शम्स विश्वविद्यालय, काहिरा विश्वविद्यालय और अल-अज़हर विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों की सहभागिता ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में साझा सांस्कृतिक बंधनों का उत्सव मनाया।

सम्मेलन का उद्घाटन श्री सुरेश के. रेड्डी, मिस्र में भारत के राजदूत; सुश्री नीना मल्होत्रा, सचिव (दक्षिण), विदेश मंत्रालय; प्रो. रामी मेहर घाली, वाइस प्रेसिडेंट, ऐन शम्स विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। उनके साथ विशिष्ट राजनयिकों, वरिष्ठ शिक्षाविदों और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने अफ्रीका और अरब विश्व के साथ भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और शैक्षणिक सहयोग के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

काहिरा विश्वविद्यालय, अल-अज़हर विश्वविद्यालय, विभिन्न अफ्रीकी विश्वविद्यालयों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रख्यात हिंदी प्रोफेसरों एवं विद्वानों ने विचारोत्तेजक प्रस्तुतियाँ दीं और गहन चर्चाओं में भाग लिया। विचार-विमर्श का केंद्र समकालीन एवं प्रासंगिक विषय रहे - जैसे सांस्कृतिक संपर्क में हिंदी की भूमिका, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और सांस्कृतिक कूटनीति के एक माध्यम के रूप में हिंदी, भारतीय सिनेमा का बढ़ता वैश्विक प्रभाव, तथा तकनीक और एआई के युग में हिंदी का भविष्य। शैक्षणिक सत्र समृद्ध बौद्धिक आदान-प्रदान, रचनात्मक संवाद और संस्थागत सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु ठोस सुझावों से परिपूर्ण रहे।

काहिरा में सम्मेलन का सफल आयोजन भारत और मिस्र, दो प्राचीन सभ्यताओं, के बीच गहरे निहित सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों को उजागर करता है, जिनकी साझा विरासत ज्ञान, संस्कृति और जन-जन के आदान-प्रदान से जुड़ी है।

सम्मेलन का समापन इस मजबूत सहमति के साथ हुआ कि निरंतर शैक्षणिक सहयोग, संकाय आदान-प्रदान, छात्र कार्यक्रमों और संयुक्त शोध पहलों के माध्यम से अफ्रीका में हिंदी शिक्षण, अनुसंधान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और बढ़ावा दिया जाए।

अफ्रीका क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन को व्यापक रूप से एक बड़ी सफलता के रूप में स्वीकार किया गया और इससे हिंदी भाषा के समृद्धिकरण, भारत-अफ्रीका सांस्कृतिक संबंधों के सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के बीच संबंधों को प्रोत्साहन मिलने की अपेक्षा है।
